MODIFIED CBCS CURRICULUM OF

SANSKRIT HONOURS PROGRAMME

SUBJECT CODE = 13

FOR UNDER GRADUATE COURSES UNDER RANCHI UNIVERSITY

Implemented from
Academic Session 2017-2020 & 2018-2021

COURSES OF STUDY FOR **GENERIC ELECTIVE 'B. A. Hons'** PROGRAMME IN

"SANSKRIT"

SEMESTER I **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

I. GENERIC ELECTIVE (GE 1) (Credits: Theory-05, Tutorial-01)

सामान्य वैकल्पिक –GE 1: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, ट्युटोरियल -01)

- All Four Generic Papers (One paper to be studied in each semester) of Sanskrit to be studied by the Students of **Other than Sanskrit Honours.**
- Students of **Sanskrit Honours** must Refer Content from the **Syllabus of Opted Generic Elective Subject**.

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100	**Pass Marks Th ESE = 40**

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें तीन प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** थ्योरी परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्युटोरियल : 15 व्याख्यान

खण्ड – क सन्धि प्रकरण (अच् , हल् , विसर्ग)

खण्ड – ख कारक प्रकरण

खण्ड – ग व्याकरण शास्त्र का इतिहास

अनुशंसित पुस्तकें –

- लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्दशास्त्री – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणासी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेश सिंह कुशवाहा – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास – श्री रमाकान्त मिश्र - चौखम्बा विद्याभवन

SEMESTER II **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

II. GENERIC ELECTIVE (GE 2) (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
सामान्य वैकल्पिक –GE 2: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, ट्युटोरियल -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100	**Pass Marks Th ESE = 40**

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें तीन प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** थ्योरी परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्युटोरियल : 15 व्याख्यान

भारतीय संस्कृति की विशेषताएं

आश्रमव्यवस्था – आश्रम व्यवस्था की अवधारणा तथा आश्रम चतुष्टय

पुरुषार्थ – पुरुषार्थ की अवधारणा तथा पुरुषार्थ चतुष्टय

संस्कार – (क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय – उपनयन, समावर्तन, विवाह एवं अंत्येष्टि

राजनीति – (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त,

(ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

अनुशंसित पुस्तकें –

- भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व – डॉ. सुखवीर सिंह - साहित्य भण्डार, मेरठ
- भारतीय संस्कृति और कला – वाचस्पति गैरोला - उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास – डॉ. जयशंकर मिश्र - बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

SEMESTER III **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

III. GENERIC ELECTIVE (GE 3) (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
सामान्य वैकल्पिक –GE 3: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, ट्युटोरियल -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100	**Pass Marks Th ESE = 40**

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें तीन प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के **विषयनिष्ठ/ वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** थ्योरी परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

आयुर्वेद की परम्परा

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्युटोरियल : 15 व्याख्यान

(1) आयुर्वेद का परिचय, स्वरूप, वेदत्व, प्रयोजन, वैज्ञानिकत्व, वैशिष्ट्य,

(2) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता

(3) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा

(4) आयुर्वेदीय परम्परा में ब्रिहत्त्रयी तथा तथा लघुत्रयी

(5) आयुर्वेद के आठ अङ्ग

(6) आयुर्वेद में त्रिदोष

(7) आयुर्वेद में सप्तधातुएँ

(8) वृक्षायुर्वेद

(9) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सीय महत्त्व – आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, तुलसी

अनुशंसित पुस्तकें –

- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तम-खण्ड-आयुर्वेद का इतिहास) – उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय – डॉ. विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

SEMESTER IV **GENERIC ELECTIVE** **1 Paper**

Total 100 x 1 = 100 Marks

IV. GENERIC ELECTIVE (GE 4)) (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
सामान्य वैकल्पिक –GE 4: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, ट्युटोरियल -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100	**Pass Marks Th ESE = 40**

Instruction to Question Setter for

End Semester Examination (ESE):

*There will be **two** group of questions. **Group A is compulsory** and will contain three questions. **Question No.1 will be very short answer type** consisting of ten questions of 1 mark each. **Question No.2 & 3 will be short answer type** of 5 marks. **Group B will contain descriptive type** six questions of 20 marks each, out of which any four are to answer.*

***Note:** There may be subdivisions in each question asked in Theory Examinations.*

भाषाविज्ञान

सैद्धान्तिक : 75 व्याख्यान, ट्युटोरियल : 15 व्याख्यान

(1) भाषा की परिभाषा और उसके विविध रूप, विशेषताएँ,

(2) भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं उपयोगिता

(3) ध्वनिविज्ञान (परिभाषा, उपयोगिता, वैदिक ध्वनियाँ, संस्कृत ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, धवनी परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि नियम)

(4) पदविज्ञान (पद और वाक्य, पद और सम्बन्ध तत्त्व, संस्कृत में सम्बन्धी तत्त्व पद विभाग, संहिता)

(5) वाक्यविज्ञान (स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ, वाक्य परिवर्तन के कारण)

(6) अर्थविज्ञान (परिभाषा, अर्थ का महत्त्व, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थज्ञान के साधन, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ, अर्थपरिवर्तन के कारण)

(7) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन

अनुशंसित पुस्तकें –

- भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृतभाषाविज्ञानम् – श्रीरामाधीन चतुर्वेदी – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- भाषाविज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन